**A REPORT**

# Commemorating Martyrdom Day of Mahatma Gandhi Yuvsatta in collaboration with Helen Woodward Animal Centre, USA, launched 'Gold-Star School Alliance Animal Fan Clubs' in the Schools & Colleges

Chandigarh, January 30, 2025: Today, commemorating the martyrdom day of Mahatma Gandhi, Yuvsatta-NGO in active collaboration with the US based Helen Woodward Animal Centre launched Animal Fan Clubs in the tricity from New Public School, Sector 18C, Chandigarh. In which **Sh. Saurabh Kumar**, IFS, Chief Conservator of Forests & Director, Department of Environment, Chandigarh Administration was the Chief Guest. And prominent amongst those who were present on the occasion included **Mr. RD Singh**, Director & **Mr. Manish Hablani**, Principal of New Public School, **Mr. Kulbhushan Kanwar**-environmentalist and **Mr. Pramod Sharma**, founder of Yuvsatta.

The orientation workshop started first by playing the video messages of **Ms. Haylee Blake, Ms. Jacqueline Kelleher and Mr. Mike Arms, President** of the Helen Woodward Animal Centre, USA.

**Welcoming the participants Mr. Pramod Sharma informed that** in their last 17th Global Youth Peace Fest in Chandigarh, two girls from USA, namely Ms. Haylee Blake – Associate Director of Education and Ms. Jacqueline Kelleher –Ambassador to the United Nations at Helen Woodward Animal Centre participated. And this new connection now took the shape of a partnership between Yuvsatta & Helen Woodward

Animal Center, to further promote and strengthen the spirit of animal care, humanism and nonviolence among young minds by way of Animal Fan Clubs in the school.

**Mr. Manish Hablani, Principal of New Public School shared that today the Chief Guest Mr. Saurabh Kumar presented affiliation certificates of Animal Fan Clubs to four institutions** like their New Public School, GD Goenka Public School, Dev Samaj College of Education, Chandigarh and Kitabghar-a centre to empower marginalized girls which Yuvsatta is jointly running with support of Carmel Convent School & CCPCR-Chandigarh Commission for Protection of Child Rights. Each of these clubs will be named after a special and distinctive animal like they have chosen an inspiring dog who recently died in US and his name was Cooper, similarly the Kitabghar girls have named their club after the 'Snow Leopard', as Snow leopard is guardian of Himalayas and its thick glaciers-which are so vital for very existence of our lives.

**Appreciating the initiative Mr. Saurabh Kumar in his address said that as the future guardians of our planet,** it's so important for kids to learn about the joy of treating animals with kindness and giving them the care they need. He also shared on the occasion about Mission LiFE of Government of India, which aims to transform the battle against climate change so that everyone may contribute to the best of their abilities. Climate change and ecological damage are global processes, which means that actions taken in one part of the

world impact ecosystems and populations in another region. Mission LiFE makes the battle against climate change democratic by allowing everyone to contribute in their capacity.

Mr. Saurabh further added that such 'Animal Fan Clubs'-a unique first of its kind attempt to ignite young minds with not only the virtues of compassion, care for animal world but also to instil in them a nonviolent behavioural attitude, will also inspire some of them to study 'Ethology'- a branch of zoology that studies the behaviour of non-human animals. Ethologists have been concerned particularly with the evolution of behaviour and its understanding in terms of natural selection. And by teaching young ones-the torch bearers of tomorrow, about animal care, we'll not only set the stage for a more compassionate and responsible relationship between humans and animals but will also ensure a sustainable world. He assured his full support to promote this unique idea among all the schools and colleges of the city.

**In his concluding remarks Mr. RD Singh said that since ancient times**, reverence and compassion for animals have been woven into India's cultural motif. All major religions in India uphold these beliefs. And laws alone will not protect the rights of animals in India, humane education programmes like the proposed 'Animal Fans Clubs' have the potential to help plant the seed of compassion and justice for all animals early in children's hearts.

Now soon, next week (February 3-8, 2025) as part of the activity of Animal Fan Clubs the partner schools/college students will go with Thank You Cards to meet the staff and workers at Sukhna Wildlife Sanctuary, Chandigarh Bird Park, Butterfly Garden & Chhatbir Zoo, to honour and say 'Thank You', to the unsung heroes at these places, who work day and night to protect the natural habitats for the insects, butterflies, bird species and the voiceless animals.

दैनिक भास्कर

सिटी लाइफ 30-01-2025

# आज होगी चंडीगढ़ से देश के पहले एनिमल फैन क्लब्स की शुरुआत

**New Initiative n Clubs**

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर एनजीओ युवसत्ता की ओर से शहर में पांच एनिमल्स फैन कलब्स की आज से शुरुआत होगी। जानते हैं इसमें कैसे होगा काम।

सिटी रिपोर्टर| चंडीगढ़

किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। यह बात महात्मा गांधी ने कही, मगर इसे असल में जीवन में उतारने का काम चंडीगढ़ में आज यानी वीरवार से महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके से शहर में पांच एनिमल्स फैन क्लब बनाकर शुरू किया जा रहा है। आज शहर के पांच इंस्टिट्यूट्स से युवसत्ता एनिमल क्लब्स की शुरुआत होगी और इसे चंडीगढ़ प्रशासन के साथ मिलकर लॉन्च किया जाएगा। इसे चंडीगढ़ सेक्टर-18 के न्यू पब्लिक स्कूल में चंडीगढ़ प्रशासन के एन्वायर्नमेंट व चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के डायरेक्टर सौरभ कुमार लॉन्च करेंगे। इसकी शुरुआत यूनाइटेड स्टेट्स की हैली ब्लेक और जैकलीन कैलर ने शहर की एनजीओ युवसत्ता के साथ मिलकर की है। इसे लेकर एनजीओ युवसत्ता के फाउंडर ने बताया - यह दोनों पिछले दिनों शहर में आयोजित पीस फेस्टिवल में शामिल हुई थी। दोनों ही एनिमल एक्सपर्ट्स हैं। यूनाइटेड नेशंस के साथ मिलकर यूएसए में एनिमल राइट्स, हेल्थ और केयर पर काम करती हैं। हैली ब्लेक यूएसए में हैलन वुडवॉर्ड एनिमल सेंटर में असोसिएट डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन हैं और जैकलीन कैलर वुडवार्ड एनिमल सेंटर में यूनाइटेड नेशंस की अंबेसडर हैं।

**प्रेरित करने वाले जानवरों के नाम पर आधारित क्लब...** जिन जानवरों ने समाज को जानवरों से प्यार करना सिखाया, उन्हीं के नाम पर यह क्लब्स बनेंगे। इनका

नाम बच्चे अलग-अलग जानवरों की कहानियों को सुनकर रखेंगे। जैसे जापान का हाची डॉग, जिसने मरते दम तक अपने पेट पेरेंट का इंतजार किया। कूपर डॉग जो स्पेशली-एबल्ड था, मगर उसने प्यार करना नहीं छोड़ा। बंगाल टाइगर रिचर्ड पार्कर, मोगली का शेर खान, पिग विलबर, लायन सिंबा आदि नामों पर बच्चे खुद अपने क्लब का नाम रखेंगे। ट्राईसिटी के स्कूलों में क्लब लीडरशिप को तैयार करना। स्कूल फैक्लल्टी से एक एडवाइजर रहेंगे और स्टूडेंट लीडर्स को ही प्रेसिडेंट, ट्रेजरर व सेक्रेटरी बनाए जाएंगे ताकि उन्हें जिम्मेदारी का अहसास हो। रिक्रूटमेंट और अवेयरनेस कैंपेन में आर्ट की मदद ली जाएगी। बायोडायवर्सिटी में जानवरों के महत्व को समझाया जाएगा। रिसोर्सेज में किताबें, मैग्जिन, ऑनलाइन सोर्स से जानवरों की जानकारी इकट्ठा की जाएगी। शहर के लोकल एनिमल शेल्टर्स, वाइल्डलाइफ रिजर्व्स, एनजीओ से बच्चों को जोड़ा जाएगा ताकि वह समय-समय पर जानवरों से मिलें।

## इन पांच इंस्टिट्यूट्स से होगी क्लब्स की शुरुआत

चंडीगढ़ का न्यू पब्लिक स्कूल, मोहाली का जीडी गोएंका पब्लिक स्कूल, पैरागोन सीनियर सेकेंड्री स्कूल, चंडीगढ़ का किताबघर और देवसमाज कॉलेज।

## यह रहेगा शेड्यूल

**पहले तीन महीनेः एनिमल और एनिमल वेलफेयर की जानकारी**

- एनिमल रिसर्च प्रेजेंटेशन में हर बच्चा किसी एक जानवर पर पूरा रिसर्च करके प्रेजेंटेशन बनाएगा। बच्चा खुद अपना पसंदीदा जानवर चुनेगा। उसके पूरे जीवन पर बात होगी।
- बच्चों को पास के एनिमल शेल्टर, जू, वाइल्डलाइफ सेंचुरी में लेकर जाएंगे। बच्चों को रेस्क्यू टीम से जोड़ा जाएगा ताकि वह जानें कि कैसे जानवरों को चोट पहुंच रही है और कैसे उनकी देखभाल होती है।

**चौथे-छठे महीनेः एनिमल कंजर्वेशन और बायोडायवर्सिटी**

- बच्चे अपने इलाके में जानवरों की सुरक्षा के लिए कैंपेन चलाएंगे। इसमें प्लास्टिक प्रदूषण, पानी बचाने और शहर के वाइल्डलाइफ कॉरीडोर को सहेजने की बात होगी।
- हर एक क्लब एक एनिमल अडॉप्ट करेगा। उसकी देखभाल के लिए बच्चे खुद फंड्स इकट्ठा करेंगे। सातवें-आठवें महीने में एनिमल के स्वभाव और इकोलॉजी पर बात।
- प्रोजेक्ट में बच्चे बताएंगे इंसान कैसे जानवरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसमें पेड़ काटना, शिकार, प्रदूषण आदि सब शामिल रहेगा। वीडियोज भी तैयार होंगी।
- नेचर वॉक व बर्ड वॉचिंग से बच्चों को कुदरत से जोड़ा जाएगा और उनमें पंछियों के बारे में जानने की जिज्ञासा को बढ़ाया जाएगा। कौन से पंछी लुप्त हो गए और कगार पर हैं, बच्चे समझेंगे।

**10वें से 12वें महीनेः एनिमल एडवोकेसी व फ्यूचर सस्टेनेबिलिटी**

- जानवरों के अधिकारों के लिए बच्चों कोर्ट में पटीशन डालेंगे। बच्चे पोस्टर बनाने के साथ शॉर्ट फिल्म भी बनाएंगे।
- एनिमल्स पर आधारित आर्ट एंड क्राफ्ट कंपीटीशन होंगे। स्कूलों में उनका काम डिसप्ले होगा।